वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 100 | सोमवार 7 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पीएम मोदी ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत भारतीय रेल के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया

उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के 12 स्टेशनों का लगभग 1150 करोड़ रुपए की लागत से होगा पुनर्विकास

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रविवार दिनांक 6 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ''अमृत भारत स्टेशन योजना'' के तहत भारतीय रेलवे के 508 स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया। भारत सरकार द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 1309 रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। भारतीय विविधता की भव्यता को प्रदर्शित करते हुए, ये पुनर्विकसित स्टेशन नई अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं तथा मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन से यात्रियों को बेहतर और उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करेंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के 12 स्टेशनों जयपुर, गांधीनगर जयपुर, फुलेरा, रेवाड़ी, बांदीकुई, अलवर, नरेना, सीकर, नारनौल, रींगस, झुन्झुनू और आसलपुर जोबनेर स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 1150 करोड रुपए की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्वच्छ और आधुनिक रेलवे स्टेशनों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास होगा। रेलवे द्वारा अमृत भारत स्टेशन शीर्षक पर हुई चित्रकला, निबंध आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयपुर रेलवे स्टेशन पर सांसद जयपुर रामचरण बोहरा, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर विजय शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक जयपुर विकास पुरवार, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर कैप्टन शशि किरण, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मुकेश सैनी साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि व मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारी उपस्थित रहे।

अजमेर मंडल के 10 रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय कार्यक्रम आयोजित

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अजमेर मंडल के 10 रेलवे स्टेशनों सहित भारतीय रेलवे के 508 स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के अवसर पर अजमेर मंडल के 10 स्टेशनों पर स्थानीय कार्यक्रम प्रातः 9.30 बजे से आयोजित किए गए, जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। अजमेर मंडल के 10 स्टेशनों सोजत रोड, मावली, राणाप्रताप नगर, पिंडवाड़ा, डूंगरपुर, मारवाड़ जंक्शन, फालना, कपासन, भीलवाड़ा और बिजयनगर स्टेशनों का अमृत भारत योजना के तहत 180 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकास कार्य किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 1309 रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है।

सामूहिक महारुद्राभिषेक में सम्मिलित हुए राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र रविवार को सीकर रोड स्थित अनंतम सफायर में 251 पार्थिव शिवलिंग के सामूहिक महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने भगवान शिव का अभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान से देश- प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना भी की।

छल-कपट और पाप करने वाला इंसान जीवन मे सुख नही भोग पाएगा : महासती प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

छल कपट करने वाला मनुष्य जीवन मे सुख नही भोग सकता है रविवार शास्त्री नगर अहिंसा भवन मे महासती प्रितीसुधा ने आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सत्य से कमाया धन हमेशा सुख देता है लेकिन छल कपट से कमाया धन जीवमे दुःख ही दुःख देता है। कितना भी बड़ा होशियार हो लेकिन छल करने वाले का अंत बहुत बुरा होगा। छल कपट ओर पाप उतना करना चाहिए जितना भुगतने का सामर्थ्य हो वरना कुदरत किसी को नहीं छोड़ती है। आज नही तो कल उसका फल भोगना ही पड़ेगा। जो व्यक्ति मेहनत करता है उसके साथ तुम धोका करोगे तो जीवन मे कभी भी सुख नही भोग पाओगे दगा कभी किसी सगा नही हुआ है। कपटी इंसान दुनिया को

धोका दे सकता है,परन्तु परमात्मा को नही दे सकता है । जैसा करोगे वैसा ही फल पाओगे।साध्वी मधुसुधा ने कहा कि मनुष्य में अहंकार होने के कारण वह पूर्ण रूप से धर्म को पालन नहीं कर पाता है। जब तक इंसानअहंकार का पतन नहीं करेगा,तब तक मनुष्य धर्म से नहीं जुड़ पाएगा। धर्म से मंझिल मिलेगी अधर्म से मंजिल नही मिलने वाली है। इसदौरान धर्मसभा आसींद,बदनौर,कोटड़ी,मांडलगढ़,गुलाबपुरा आदि क्षेत्रों से साध्वी प्रितीसुधा के दर्शनार्थ पधारे अनेक अतिथीयो का अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिहं बाबेल,हेमन्त आंचलिया, अशोक पोखरना रिखबचंद चन्द पीपाड़ा ने शोल माला पहनाकर स्वागत किया। निलिष्का जैन बताया कि दोपहर चंदनबाला महिला मंडल के तत्वावधान मे साध्वी उमराव कंवर के सानिध्य मे नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप हुआ जिसमे रजनी सिंघवी, मंजू बापना,उमा आंचलिया,अंजना सिसोदिया आदि महिला पदाधिकारियों की उपस्थिति रही प्रवचन और जाप मे सम्मिलित होने वाले सभी श्रध्दालुओं को रतनलाल चपलोत एवं प्रिती, किरण चौरड़िया द्वारा सभी को प्रभावना दी गई।

प्रवक्ता निलिष्का जैन ,अहिंसा भवन शास्त्री नगर भीलवाड़ा

सच्चा मित्र सौभाग्य से मिलता है संकट मे मित्र के लिए ढाल बन जाता है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मित्र वही जो सही राह दिखाए रविवार को साहूकार पेठ श्री एस.एस.जैन भवन मे अंतराष्ट्रीय मित्रता दिवस महासती धर्मप्रभा ने हजारों श्रावक-श्राविकाओं को धर्म संदेश देतें हुए कहा कि जीवन मे सच्चा मित्र सौभाग्य से मिलता है। जो सुख मे पीछे और दुखः आने पर ढ़ाल बन कर समाने खड़ा हो जाता है वही व्यक्ति हमारा मित्र होता है ।सुख में साथ हो और दुख में हमारे से किनारा कर ले,ऐसा इंसान कभी हमारा सच्चा मित्र नहीं हो सकता है,ऐसे लोग अवसरवादी होते हैं।

दोस्त वही है जो हमे सही राह दिखाए,गलत मार्ग पर जाने रोके,ऐसे दोस्त हमारे जीवन को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं ।सही को सही और गलत को गलत कहने वाला ही व्यक्ति सच्चा हमारा हमदर्द मित्र होता है। स्वार्थी मित्र दुश्मन से भी जाता खतरनाक होते है।

दुश्मन तो हम पर सामने से हमला करता है ।लेकिन जब दोस्त हमारे पीछे से हमारे पर जब वार करता है तो मूसीबत खड़ी कर सकता है ऐसे इंसानों से दोस्ती नही रखनी चाहिए वह दोस्त मित्रता के नाम पर कंलक है। मित्र वो होता जो संकट आने पर कर्ण कि भांति मित्र के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर देतें है सच्ची मित्र की दोस्ती जीवन के अंतिम पड़ाव तक रहती। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि मित्र का रिश्ता खून के रिश्तो से बढ़कर होता है। लेकिन जीवन मे संकट ओर दुखःआ जाने पर पर खून के रिश्ते भी पराए हो जाते है परन्तु मित्र पराया होकर भी संकट मे साथ नहीं छोड़ता है। विश्वास का दूसरा नाम ही मित्र जो हमारे पर दुख आने हमे विपत्तियों से बाहर निकालकर वो हमे सदमार्ग पर ले जाता है। धन दौलत से दोस्ती रखने वाले इंसान हमारे मित्र नही हो सकते है। जीवन मे मित्र बनाए तो जानकर पहचान कर बनाए जो सुख-दुखः और मुसीबत मे काम आए। श्री संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि धर्मसभा मे अन्नानगर से नेमीचंद कुकुलोल,पुरूषावाक्कम से सागरमल कोठारी, शनेहानगर जे.विजयराज कोठारी और राजेश चौरड़िया आदि अतिथीयो का श्री एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम.अतितराज कोठारी कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने स्वागत किया।इस दौरान प्रवचन सभा में जैन संस्कार मंच के भाईयो द्वारा मित्रता दिवस पर नाटिका का मंचन किया गया और साध्वी धर्मप्रभा से संस्कार मंच के सभी पदाधिकारीयो ने आशीर्वाद लेते हुए जैन समाज एवं सभी जाति के मित्रों की मदद करने का जयकारो के साथ साध्वी धर्मप्रभा से सकल्प लिए। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि धर्मसभा मे हस्तीमल खटोड़, महावीर चन्द कोठारी,सुरेश डूगरवाल,शम्भूसिंह कावड़िया,अशोक सिसोदिया, भरत नाहर,महावीर ललवानी, संजय खाबिया आदि पदाधिकारियों की उपस्थित रही।

सोनम पाटनी को सम्मानित किया गया

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं। लाडनूं दिगंबर जैन समाज की गौरव व राजस्थानी हिन्दी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री सोनम पाटनी को स्वास्थ्य व कल्याण उत्पादों के क्षेत्र में तेजी से लोकप्रिय हो रही एस्क्लेपियस वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड में उनके द्वारा रिकार्ड समय में ब्रॉन्ज रेंक पूरा करके महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करने पर एक समारोह में कंपनी के ब्लू डायमंड दयाल सफायर विक्रम सैनी व टोपाज अशोक सैनी द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित कंपनी के सदस्यों व नगर के गणमान्य लोगों के मध्य सम्मानित किया गया। अनेक हिंदी व राजस्थानी फिल्मों में अभिनय कर चुकी सोनम पाटनी को पिछले वर्ष सर्व श्रेष्ठ राजस्थानी फिल्म अभिनेत्री के खिताब से अलंकृत किया गया था। वे लाडनूं में अपने समाज की विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अग्रणी रही है।

राजस्थान जैन युवा महासभा एवं संगिनी मेट्रो द्वारा कैंसर अवेयरनेस के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार का किया आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

कैंसर अवेयरनेस हैल्थ टॉक शो एवं निः शुल्क जांच शिविर में जयपुर जैन महिला एवं युवा संगठनों की प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि पंजीकृत संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर एवं समाज एवं मानव सेवा के क्षेत्र में कार्यरत संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर अवेयरनेस हैल्थ टॉक शो एवं स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार का आयोजन किया गया।इस मौके पर चिकित्सकों ने कैंसर से बचाव व उपचार के बारे में जानकारी दी। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मानसरोवर के शिप्रा पथ स्थित एच सी जी कैंसर केयर हास्पिटल में रविवार,06 अगस्त को आयोजित इस कैंसर अवेयरनेस हैल्थ टॉक शो एवं स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार का भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण से शुभारंभ किया गया। अस्पताल की ओर से डा.कार्तिक रस्तौगी एवं डॉ आशुतोष जैन ने कैंसर से बचाव व उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्राथमिक जांच के साथ इस रोग के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया। दोनों डाक्टरों ने दर्शकों की जिज्ञासा व पूछे गए सवालों का समाधान किया।इस मौके पर कैंसर केयर हेतु निः शुल्क कंसल्टेंसी सहित मेमोग्राफी,पेप स्मीयर,पीएसए आदि जांचें निः शुल्क की गई। हैल्थ टॉक शो एवं स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार के लिए राजस्थान जैन युवा महासभा की ओर से रवि प्रकाश जैन- अग्रवाल फार्म, तरुण जैन- झोटवाड़ा,रेखा पाटनी -दुगार्पुरा ,भंवरी देवी जैन - थडी मार्केट ने संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने बताया कि हैल्थ टॉक शो एवं सेमीनार में लक्की ड्रा के माध्यम से श्रोताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर डॉ कार्तिक रस्तोगी एवं डॉ आशुतोष जैन सहित अस्पताल के मार्केटिंग प्रबंधक कृष्ण कांत गौड का युवा महासभा व संगिनी मेट्रो की ओर से प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, सी एस जैन, पवन पाण्डया, रवि प्रकाश जैन,भारतभूषण जैन, अशोक लुहाड़िया, तरुण जैन,धीरज पाटनी, दीपिका जैन कोटखावदा, अम्बिका सेठी,रेखा पाटनी, भंवरी देवी जैन ने तिलक, माल्यार्पण, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया। संस्थापक अध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी ने अपने उदबोधन में सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आव्हान किया। इससे पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन दिया। महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने युवा महासभा की सामाजिक एवं मानव सेवार्थ गतिविधियों पर प्रकाश डाला।मंच संचालन रवि प्रकाश जैन ने किया।

विनोद जैन कोटखावदा
प्रदेश महामंत्री
राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर

शांतिनाथ मंडल विधान कराकर शांति प्रभु की करी आराधनाः आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

रविवार को विज्ञा तीर्थ स्थल पर अनेक प्रतिभाए हुई सम्मानित

विमल जोला. शाबाश इंडिया

गुंसी, निवाई । भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 29 वां साधनामय चातुर्मास श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में हो रहा है । गुरु माँ के सान्निध्य में रविवार को शांति विधान व शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रकाशचन्द बड़जात्या साखून, पवन कुमार जैन सोहेला, कोमलचन्द जैन टोडारायसिंह ने प्राप्त किया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि रविवार को सुबह गुरु माँ के दर्शनार्थ सम्मेदशिखर यात्रा संघ के संयोजक सुरेश ठोलिया सपत्नीक व समाचार जगत के संयोजक चक्रेश सपत्नीक जयपुर वालों ने विज्ञातीर्थ आकर गुरु माँ का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त किया। जौंला ने बताया कि दोपहर में विशद छाया मंच जयपुर समाज की ओर से लगभग 60 -70 श्रद्धालुओं के द्वारा श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन हुआ ।जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने अत्यंत भक्ति भाव से प्रभु व गुरू की भक्ति में झूमते हुये आनंद लिया । इस दौरान गुरु मां ने प्रवचन देते हुए कहा कि - धन्य है वह धरती जहां गुरुओं और संतों के चरण पड़ते हैं। यह अपने सातिशय पुण्य का ही प्रभाव है जिसके कारण हम संतों की सेवा कर पाते हैं। सच्चे देव - शास्त्र - गुरू की सेवा , वैयावृत्ति , दान आदि देने का असीम फल स्वर्ग आदि में अपना स्थान सुनिश्चित करना है और तीर्थ क्षेत्र पर आकर करने वाले का दान दुगुना फल प्रदान करता है । इस दौरान विज्ञाश्री माताजी ने उदाहरण देकर कहा कि एक कुत्ता जिसके गले में पट्टा है वो पालतू है और जिसके गले में पट्टा आदि नहीं है वह फालतू है। एक कुत्ता अउ की गाड़ी में घूमता है अच्छा खाता है। यहां तक की अच्छे कपड़ें भी पहनता है।

वेद ज्ञान

जीवन समस्याओं और उलझनों से भरा है

जीवन समस्याओं और उलझनों से भरा है। समय एक जैसा नहीं रहता। सुख है तो दुख भी आने वाले हैं। इस सत्य को पूरी तरह स्वीकार करने वाला व्यक्ति किसी भी अप्रिय स्थिति को अनहोनी समझकर नहीं देखता। ऐसे लोग तलाशने पर शायद बहुत कम मिलें। बहुसंख्या ऐसे लोगों की है, जो विपत्ति आने पर अवाक रह जाते हैं और विचलित हो जाते हैं। यह भ्रम पाल लेना कि जीवन में सदा सुख है, निर्बाधता है, ऐसी सोच विपत्ति के आने पर हमें कमजोर और भयभीत कर देती है। कमजोर और डरा हुआ मन कोई आश्रय, कोई अवलंबन खोजने लगता है स्थिति से निपटने का। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास नहीं रहता। जीवन के सत्य से जितनी दूरी होगी, छोटी से छोटी समस्या उतनी ही बड़ी लगने लगेगी। दीनहीनता उतनी ही बढ़ जाएगी। किसी भी समस्या या संकट को अनहोनी की तरह न लेना मन की पहली विजय होती है। विचलित होने से आप विवेकपूर्ण फैसले नहीं ले सकते। सच तो यह है कि स्थितियां ही नहीं, स्वयं अपने जीवन पर भी हमारा कोई वश नहीं है। सभी कुछ ईश्वर के अधीन है। सृष्टि की रचना उसने की है, जीवन भी उसी ने दिया है और जीवन के पल, क्षण तक उसने तय कर दिए हैं। पूरा संसार उसकी इच्छा और आज्ञा में है। 'मैं' एक भ्रम है। इस सोच के व्यक्ति संकट में विचलित नहीं होते। हर समस्या और संकट का मूल कारण हम ही होते हैं और समस्याएं स्वयं के सुधार का अवसर प्रदान करती हैं। मानव जीवन में जाने, अनजाने पाप कर्म होते ही रहते हैं। परमात्मा चूंकि दयालु भी है। इसलिए जब कोई उसकी शरण में जाता है और अपना सर्वस्व अर्पण करके कृपा की आकांक्षा करता है, तब वह उस पर अवश्य दया करता है। ईश्वर करुणा का सागर है, इसलिए कोई उसकी ओर एक कदम चले तो वह कोटि कदम आगे होकर उसे अपने गले लगा लेता है। बातों से नहीं, बल्कि अंतस चेतना में ईश्वर की अनुभूति करके ही उसकी महानता का पता चलता है। जब ईश्वर की महानता समझ में आ जाती है, तब शब्द चुक जाते हैं, वाणी मौन हो जाती है। संकट के समय ईश्वर को अपना सहायक बना लेने से व्यक्ति की राह आसान हो जाती है और वह सहजता से समस्याओं या बाधाओं का सामना करने में सक्षम हो जाता है।

संपादकीय

अब व्यापार घाटा कम करने की जुगत

सरकार स्वदेशी तकनीक के विकास और व्यापार घाटा पाटने की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही है। इसी क्रम में उसने विदेशी लैपटाप, टैबलेट और कंप्यूटरों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। माना जा रहा है कि इससे भारत में बनने वाले इन उपकरणों की बिक्री बढ़ जाएगी। इनके आयात पर प्रतिबंध संबंधी इस घोषणा के बाद कुछ स्वदेशी कंपनियों के शेयरों में उछाल भी देखा गया। हालांकि यह सरकार का अचानक लिया या कोई बिल्कुल नया फैसला नहीं है। इससे पहले सैकड़ों ऐसी विदेशी वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, उनमें रक्षा उपकरणों से संबंधित कई चीजें भी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, लैपटाप, टैबलेट आदि उपकरणों के आयात के लिए लाइसेंस को जरूरी किए जाने के बाद कंपनियों को आवेदन के लिए अधिक वक्त दिया जा सकता है। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि पहले से पारगमन में मौजूद खेप को मंगाने में कंपनियों को किसी तरह की असुविधा न हो। दरअसल, इस

भूमंडलीकरण के जमाने में जब सारी दुनिया एक बाजार में तब्दील हो गई है, लोगों को यह आजादी मिली है कि वे अपनी पसंद से अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुएं कहीं से भी खरीद सकते हैं। इस तरह विदेशी वस्तुओं का चुनाव लोगों की आदत में शामिल हो गया है। इसका असर देश में बनने वाली वस्तुओं पर पड़ता है। स्वाभाविक ही, घरेलू बाजार में जगह न मिल पाने के कारण स्वदेशी कंपनियां अपने उत्पाद की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार करने में सक्षम नहीं हो पातीं। ऐसे में लोगों की आदतें सुधारने की दृष्टि से भी ऐसे प्रतिबंध कई बार जरूरी होते हैं। विदेशी कंप्यूटरों, लैपटाप आदि पर प्रतिबंध के पीछे सुरक्षा कारण बताए गए हैं। इनमें एचएसएन कोड 8471 वाले सात श्रेणी के कंप्यूटरों, लैपटाप और टैबलेट पर ही प्रतिबंध लगाया गया है। एचएसएन यानी ''हामोर्नाइज्ड सिस्टम आफ नामेनक्लेचर'' कोड एक वर्गीकरण प्रणाली है, जिसका उपयोग कराधान उद्देश्यों के लिए उत्पादों की पहचान करने के लिए किया जाता है। इस कोड का उपयोग उन उपकरणों की पहचान करने के लिए किया जाता है जो डेटा प्रोसेसिंग कार्य करने के लिए तैयार किए गए हैं। इस तरह लोगों के निजी डेटा को सुरक्षित रखने के मकसद से यह कदम उठाया गया है। इन दिनों जिस तरह लोगों के निजी आंकड़ों की चोरी और उन्हें दूसरे देशों की कंपनियों को बेचने की प्रवृत्ति बढ़ी है, उसमें दूसरे देशों में तैयार ऐसी प्रणाली पर नजर रखना कठिन काम साबित होता है। फिर चीन जैसे कुछ देश जासूसी के नए-नए तरीके ईजाद करते देखे जाते हैं, उसमें भी ऐसी प्रणाली खतरनाक साबित हो सकती है। इसलिए नए फैसले में कोरिया और चीन से आयात होने वाले ऐसे उपकरणों की खेप में कटौती की गई है। अब वही कंपनियां इन उपकरणों का कारोबार कर सकती हैं, जो भारत में ही इनका उत्पादन या संकलन करती हैं। हालांकि कुछ लोगों को लगता है कि इस फैसले से विश्व व्यापार नियमों का उल्लंघन होगा और सरकार यह इसलिए कर रही है कि उसका मकसद अपनी चहेती कुछ कंपनियों को फायदा पहुंचाना है। मगर सरकारें अपने सुरक्षा कारणों से ऐसे फैसले ले सकती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

गंभीर समस्या

राजस्थान के भीलवाड़ा में एक बच्ची की हत्या की घटना ने यही साबित किया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और ऐसा लगता है कि अपराधियों के भीतर प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। खबरों के मुताबिक, कोटड़ी इलाके के नरसिंहपुरा गांव में बकरी चराने खेतों की ओर गई बच्ची जब देर तक घर नहीं लौटी तब उसके परिवार के लोगों ने ढूंढ़ना शुरू किया। खेतों में लकड़ी जला कर कोयला बनाने वाली एक भट्ठी में कुछ अवशेष मिलने और उसकी पहचान के बाद यह पता चल सका कि बच्ची की हत्या करके उसे जला दिया गया है। स्थानीय लोगों ने आशंका बलात्कार की भी जताई है। जब मामले ने तूल पकड़ लिया, तब पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया। लेकिन आखिर क्या कारण है कि राजस्थान में पिछले कुछ समय से बलात्कार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं और सरकार के लिए उन पर रोक लगाना मानो मुश्किल हो गया है। सरकार और पुलिस के कामकाज का वह कौन-सा तरीका है कि आपराधिक मानसिकता वाले लोगों के भीतर कोई खौफ नहीं रह गया लगता है। राजस्थान पुलिस की हाल की एक रिपोर्ट कहती है कि दस साल से कम आयु की बच्चियों से बलात्कार की घटनाओं में करीब तीन फीसद का इजाफा हुआ है। वहीं छोटी बच्चियों से सामूहिक बलात्कार की वारदात में भी इस साल 13.64 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। यानी खुद पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ सालों में मासूम बच्चियों के खिलाफ यौन हिंसा और दरिंदगी की घटनाएं बढ़ी हैं। बलात्कार के ज्यादातर मामलों में मुख्य आरोपी पीड़ित के परिचित ही होते हैं लेकिन इन घटनाओं पर पुलिस को जहां सक्रिय होकर अपराधियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करनी चाहिए वहां शासन-प्रशासन के भीतर एक विचित्र चुप्पी छाई दिखती है। क्या यही रवैया एक मुख्य कारण नहीं है जिसकी वजह से आपराधिक तत्त्वों को अपनी मनमानी करने को लेकर बेखौफ बनाता है? फिर देश के दूसरे इलाकों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर आक्रामक रहने वाली पार्टियों को क्या राजस्थान में भी बढ़ते अपराधों और खासतौर पर महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों को लेकर संवेदनशील और ठोस रुख नहीं अपनाना चाहिए? दरअसल, यौन हिंसा की बढ़ती घटनाएं जहां कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सरकार की नाकामी का नतीजा हैं, वहीं एक सवाल यह भी है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के मामले बिगड़ती तस्वीर को लेकर कानूनी सख्ती के साथ-साथ क्या इससे जुड़ी अन्य जटिलताओं पर विचार किया जाता है? कुछ लोगों के भीतर ऐसी कुंठा और मानसिक विकृति पलती रहती है, जिसका शिकार होकर वे मासूमों तक की हत्या या उनके खिलाफ यौन हिंसा करने से नहीं हिचकते। पेशेवर अपराधियों से निपटना पुलिस की कामकाज की शैली और ईमानदार इच्छाशक्ति पर निर्भर है। इसके समांतर बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में भी अगर वैसे लोग भी शामिल पाए जाने लगे हैं, जो आदतन अपराधी नहीं हैं, तो यह किसी भी समाज और सरकार के लिए चिंतित होने वाली बात है। सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी कानून व्यवस्था और उसका प्रभाव कायम करना होना चाहिए, ताकि अपराध की मंशा रखने वालों के भीतर खौफ पैदा हो। साथ ही अपराधों की जड़ पर भी प्रहार करने की जरूरत है।

चाहते हो बुढ़ापा सुख से बीते तो पोते-पोतियों को बना लो खास दोस्तः दर्शनप्रभाजी म.सा.

बच्चों को मत करो दादा-दादी से दूर उनके बिना जिंदगी अधूरी- चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। जीवन में सबसे अच्छी दोस्ती दादा-पोता ओर दादी-पोती की होती है। दादा-दादी के जीवन में पोता-पोती अंतिम दोस्त ओर पोते-पोती के जीवन में सबसे पहला दोस्त दादा-दादी होते है। चाहते हो बुढ़ापा गुनगुनाते हुए सुख-शांति से बीते तो अपने पोते-पोतियों से घुल मिल जाओ ओर उन्हें अपना खास दोस्त बना लो। ये मानकर चलों कि उनको दोस्त बना लिया तो चाहे बेटा-बहूं सेवा नहीं करे लेकिन वह आपको असहाय नहीं छोड़ेगे। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में रविवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में दादा-दादी दिवस पर विशेष प्रवचन में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से बताया कि पोते-पोती ओर दादा दादी एवं दोता-दोहती व नाना-नानी परस्पर एक-दूसरे के जीवन में कितना अहम स्थान रखते है। ये ऐसा रिश्ता है जिस पर र्सवस्व न्यौछावर करके भी खुशी होती है। जिसने जिंदगी में दादा-दादी या नाना-नानी का प्यार नहीं पाया उसका जीवन अधूरा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कारित बनाने ओर धर्म से जोड़ने का कार्य माता-पिता से अधिक दादा-दादी कर सकते है। बच्चों की बदलती जीवनशैली से कुंठित होने की बजाय दादा-दादी भी उसी अनुरूप स्वयं को बदलने का प्रयास करे ताकि वह आपसे हमेशा जुड़े रहे। इस स्मॉर्ट युग में दादा-दादी को भी पोते-पोतियों के समान स्मॉर्ट होना है। दादा-दादी स्मॉर्ट फोन का उपयोग बच्चें धर्म का ज्ञान पाने के लिए कैसे कर सकते ये उन्हें समझाएं। स्मॉर्ट फोन रखने या स्मॉर्ट घड़ी पहनने से जिंदगी स्मॉर्ट नहीं बनेगी। जिनशासन की सेवा से जुड़कर ही जिंदगी को स्मॉर्ट बना सकते है। दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि बुढ़ापे की असली लाठी पोते-पोती होते है। उनसे ऐसा रिश्ता कायम करें कि वह कोई बात अपने माता-पिता से भी पहले अपने दादा-दादी को बताए। संस्कारों के अभाव व काल के प्रभाव से परिवार बिखरते जा रहे है ऐसे में दादा-पोता ओर दादी-पोती के इस रिश्ते के अपनत्व व प्रेम को कायम रखने के लिए हम सजग ओर सचेत होना पड़ेगा। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी ने दादा-दादी का बड़ा उपकार हमे सन्मार्ग दिखाते है गीत से बात शुरू करते हुए कहा कि बिना प्रतिफल की परवाह किए जिसे रिश्ते को नेकभाव से उम्रभर निभाया जाता वह दादा-दादी ओर पोते-पोती का होता है। पोते-पोतियों को समीप पाकर दादा-दादी को जो एनर्जी मिलती है उसके समक्ष दुनिया की सब दवाईयां फेल है। उन्होंने बच्चों को कभी दादा-दादी से दूर नहीं रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जो माता-पिता ऐसा करते है वह उस तड़फन का अंदाज तभी लगा पाएंगे जब वह स्वयं दादा-दादी बन जाएंगे ओर पोते-पोती पास में नहीं होंगे। दादा-दादी को हल्की सी भी तकलीफ हो तो सर्वाधिक दर्द पोते-पोती को होता है। कभी उन्हें ऐसे धर्मसंकट में मत डालना कि दादा-दादी ओर माता-पिता में किसी एक का चुनाव करने की नौबत आए। हमेशा याद रखे जैसा हम आज करेंगे वैसा ही कल हमारे साथ होने से कोई नहीं रोक पाएगा। इसलिए हमेशा बुजुर्गों की सेवा करें ओर बच्चों को भी प्रेरित करें। धर्मसभा में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि दादा-दादी का कर्तव्य है कि अपने पोते-पोतियों को संस्कारवान आदर्श नागरिक के रूप में तैयार करें। बच्चें सर्वाधिक कहना किसी का मानते है तो वह दादा-दादी ओर नाना-नानी ही होते है। ऐसे में उन्हें जैन धर्म के संस्कार प्रदान करने चाहिए। उन्होंने माता-पिता की सेवा की प्रेरणा देते हुए कहा कि आज हम सेवा नहीं करेंगे तो बच्चें वैसा ही देखेंगे ओर कल हमारी सेवा करने वाला भी कोई नहीं होगा। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने श्रावक के 12 व्रतों छठे व्रत दिशा परिमाण व्रत की चर्चा करते हुए आगार सहित उसकी पालना का संकल्प कई श्रावक-श्राविकाओं को दिलाया। उन्होंने कहा कि श्रावक व्रत स्वीकार करने से हम उन पापों से स्वयं को बचा पाएंगे जिनके मर्यादा के अभाव में अनजाने में भागीदार बन जाते है। आत्मा के लिए सिद्धि करेंगे तो छोटी-मोटी सिद्धियां वैसे ही मिल जाएगी।

महावीर इंटरनेशनल के अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव व पदाधिकारियों का किया सम्मान

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के द्वारा आज कुचामन पुस्तकालय के हाल में अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव वीर अशोक कुमार गोयल, संरक्षक वीर पदम चन्द जैन, जोन अध्यक्ष वीर अशोक कुमार गदिया, जोन सचिव वीर विजय चोरड़िया, जोन उपाध्यक्ष वीर प्रेम चन्द जैन, जोन कोषाध्यक्ष वीर विनय कुमार जैन गवनिर्ग काउसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया ने भगवान महावीर के सामने दीप प्रज्वलित कर, प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। पदाधिकारियों का रामावतार गोयल, अजित पहाड़िया, आनन्द सेठी, विकास पाटनी, सरोज पाटनी शारदा वर्मा व संस्था सदस्यों द्वारा किया गया। क्रार्यक्रम में कुचामन नगर परिषद उप सभापति हेमराज चावला, प्रतिपक्ष के नेता अनिल सिंह मेड़तिया, जैन समाज के सुमेरमल बज, लायंस क्लब फोर्ट के राम काबरा, लायंस क्लब कुचामन के चेतन खाल्डका, श्याम सुंदर सैनी, भारत विकास परिषद के गोविंद राम चौधरी, वेश्य समाज के मुरलीधर गोयल, अग्रवाल समाज के मुरलीधर स्नेही, पेंशनर समाज से जीवण सिंहजी, गायत्री परिवार से जितेन्द्र सिंह राजपुरोहित, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारिया के प्रधानाचार्य दिनेश लाडना का संस्था सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। अंतरराष्ट्रीय महासचिव द्वारा नए सदस्य बनने पर रमेश चन्द जैन, उत्कर्ष पहाड़िया, दिनेश लाडना, अमित पहाड़िया, अभिषेक पाटनी, व पत्रकार महोदय का तिलक माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संस्था के वीर वीरा यूथ के सभी सदस्य उपस्थित रहकर कार्यक्रम में सहयोग किया। **मंच संचालन ओमप्रकाश सेन ने किया।**

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा रविवार को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेट किया गया। गोपालपुरा बाईपास स्थित आशियाना डेकोर शोरूम पर आयोजित गेट टुगेदर पार्टी में क्लब में जुड़े हुए नए सदस्यों का सम्मान किया गया एवं सदस्यों ने आपस में एक दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर नई दोस्ती की शुरूआत की। इस अवसर पर क्लब के सचिव अनिल जैन ने आगामी सत्र में रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के आगामी सामाजिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष चंद्रकांत मित्तल, राजेंद्र गुप्ता, मनीष गुप्ता, नवीन काला, महेश मंगल, डॉक्टर दीपेंद्र भटनागर, श्रीमती ज्योति भारद्वाज सहित 50 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात आशियाना डेकोर के एम.डी. हेमा-अनिल मंडोत द्वारा सभी रोटरी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

फ्रेंडशिप डे पर त्रिमूर्ति मानसून रन में दौड़े रनर्स

जयपुर. शाबाश इंडिया

फ्रेंडशिप डे के अवसर पर त्रिमूर्ति मानसून रन के सातवे संस्करण का जयपुर रनर्स क्लब, त्रिमूर्ति बिल्डर्स और एयू जयपुर मेराथन द्वारा आयोजन कुकस स्थित महाराणा ग्रीन रिसोर्ट से किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जयपुर के फिटनेस फ्रीक हिस्सा बने और अपनी हेल्थ को अपना बेस्ट फ्रेंड बनाने का सन्देश दिया। कार्य्रकम के चीफ कोरडीनेटर प्रवीन तीजारिया और जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया की त्रिमूर्ति मानसून रन में 20, 11 और 5 किमी की दौड़ अलसुबह 5.15 बजे कुकस के मनोहारी वातावरण में शुरू हुई जिसे त्रिमूर्ति बिल्डर्स के अभिषेक मिश्रा, जयपुर रनर्स क्लब के फाउंडर मुकेश मिश्रा, रवि गोयनका, अध्यक्ष डॉक्टर साधना आर्य ने फ्लैग ऑफ किया। रन में जयपुर के कई सीजनड रनर्स के साथ त्रिमूर्ति बिल्डर्स ,एयू बैंक से जुड़े रनर्स ने भाग लिया, मेडिकल सुविधा इ एच सीसी हॉस्पिटल और फिजियो सपोर्ट जागृति फिजियो थरेपिस्ट ने उपलब्ध करायी। पुरे इवेंट को मैनेज करने के साथ रास्ते में पानी और एनर्जी स्टेशनस को आईआईएमआर इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मेनेज्मेन्ट की टीम ने संभाला।

जैन धर्म रक्षक पाठशाला के 60 बच्चे राष्ट्रीय अधिवेशन में हुए सम्मिलित

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे से जैन धर्म रक्षक पाठशाला के 60 बच्चे आज दो बसों के द्वारा डिग्गी कस्बे में आचार्य इंद्रनंदी जी महाराज, आचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज के पावन सानिध्य में हो रहे जैन पाठशाला के राष्ट्रीय अधिवेशन में पहुंचे, जहां पर आचार्य संघ से मंगलमय आशीर्वाद लिया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में अग्रवाल समाज 84 के संरक्षक फागी पंचायत समिति के प्रधान सुकुमार झंडा की अगुवाई में बच्चों के साथ 18 शिक्षिकाऐं साथ थी, कार्यक्रम में डिग्गी कस्बे में हुए अधिवेशन में मालपुरा, केकड़ी, शिवाड़, देवली , टोंक ,कोटा, पचेवर निवाई सहित सारे राजस्थान से करीब 1100 बच्चों ने अधिवेशन में भाग लिया। कार्यक्रम में फागी जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा एक लघु नाटिका दिखाई गई जिसका शीर्षक था ₹चलो लोट चलें जिन पथ₹ पर , जिसमें बताया गया कि आज इस आधुनिकता में हम धर्म को भूलते जा रहे हैं, धर्म में हमारी कोई दिलचस्पी नहीं है, हमारे पूर्वजों ने जिन धर्म के लिए बहुत किया लेकिन हम भूल रहे हैं, अतः हमें धर्म से फिर जुड़ना है। कार्यक्रम में समाजसेवी सोहन लाल झंडा, कैलाश कलवाड़ा,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, राजाबाबु गोधा, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कठमाणा, विनोद जैन कलवाड़ा, महेंद्र बावड़ी ,सुरेंद्र बावड़ी, विमल कलवाड़ा, कमलेश चौधरी, तथा त्रिलोक जैन पीपलू , मुकेश गिंदोडी, मनीष गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाओं ने फागी से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। कार्यक्रम के संयोजक निखिल लावा ने बताया कि मुख्य संयोजिका रानी नला, शाखा संयोजिका रेखा झंडा, शिप्रा कासलीवाल, राजश्री कागला, अंजु मोदी ,मीनाक्षी मांदी सहित सभी पाठशाला संयोजिकाएं साथ थी।

भक्तामर की रचना पर नाटिका का मंचन

भक्तिभाव से कोई काम करो तो चमत्कार स्वतः हो जाते हैं

ब्यावर. शाबाश इंडिया

बिरद भवन में गतिमान चातुर्मासिक प्रवचन में महासती धैर्यप्रभा द्वारा प्रतिदिन भक्तामर स्त्रोत की महिमा का वाचन हो रहा हैं। महासती ने दुर्योधन का दृष्टांत देकर उन्हेंबताया कि प्रत्येक व्यक्ति में गुण और अवगुण दोनों होते है। यह हम पर होता है कि हम उसमें गुण देखते है या अवगुण। हम बहुत सारे दर्शन इस दुनिया में देखते हैं जहाँ भक्त भी होता है और भगवान भी होते हैं, पर एक जैन दर्शन है जो भक्त को भगवान बनने का मार्ग बतलाता हैं। महासती द्वारा प्रतिदिन कुछ भक्तामर की गाथाओं को क्रमागत रूप से महिमा और उनसे जुड़े हुए दृष्टांत का वर्णन बताया जाता हैं। रविवार को श्री जैन दिवाकर बहु मण्डल और महिला मंडल के द्वारा भक्तामर रचना से जुड़े कथानक पर नाटिका का मंचन किया गया। भक्तामर रचना करने वाले आचार्य मानतुंग को राजा द्वारा कैद किये जाने और उन्हें 52 तालों से जकड़ने, आचार्य द्वारा आदिनाथ की पुर्ण भाव के साथ भक्ति करने का परिणाम स्वरूप सभी ताले स्वतः टूट गये। इस विलक्षण नाटिका को देखकर उपस्थित धर्मसभा में सभी आचार्य मानतुंग के जय जयकार करने लगे। सभी ने नाटक का मंचन करने वाली सभी सदस्याओं की भूरी भूरी प्रशंसा की। नाटिका में शिप्रा मोदी, धीरज मुणोत, मधु मकाना, शालिनी गांधी, रंजना बाबेल, सुनीता सिंघवी एवं रुचि गादीयां ने अपने अदभुत अभिनय और रचना कोठारी, बरखा छल्लानी, उषा मोदी एवं रेखा गुगलिया ने भजन प्रस्तुति के साथ नाटिका को अत्यंत रोचक बना दिया। महासतियां के चातुर्मास में छोटी बड़ी कई तपस्याएं गतिमान हैं। महासतियां के दर्शनार्थ प्रतिदिन बाहर से भी अनेक श्रावक श्राविका पधार रहे हैं। दिवाकर नवयुवक मंडल द्वारा गुरुदेव धर्ममुनि जी म.सा. के दर्शनार्थ ब्यावर से पानीपत एवं दिल्ली की त्रिदिवसीय यात्रा का भी आयोजन किया जा रहा हैं।

विश्वशांति के लिए जैन श्रद्धालुओं ने किया शांतिनाथ विधान

मंत्रोच्चारण से गुंजायमान रहा वातावरण

पटना सिटी. शाबाश इंडिया। पवित्र श्रावण माह के अवसर पर लंगूर गली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन गुरारा मंदिर में रविवार को विश्वशांति के लिए भगवान शांतिनाथ विधान का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जिनमंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ भक्ति-संगीत के सुर गूंजते रहे। कार्यक्रम स्थल पर शांतिनाथ भगवान के जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा। प्रातः 6:30 बजे से शुरू हुई इस विशेष अनुष्ठान में मंगलाचरण पाठ के साथ जिनेन्द्र भगवान का मंगल अभिषेक व शांतिधारा पाठ जैन श्रद्धालुओं ने किया। तत्पश्चात विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना के साथ शांतिनाथ विधान कर विश्वशांति एवं सद्भावना के लिए मंगल कामना की गई। श्री शांतिनाथ विधान में श्रद्धालुओं ने जगत कल्याण की भावना से मंत्रोच्चारणपूर्वक 120 अर्घ्य समर्पित कर प्रभु की आराधना की। मीडिया प्रतिनिधि प्रवीण जैन ने बताया कि इष्ट वियोग अनिष्ट संयोग आदि असादा कर्मोदय के निमित्त से जीवन में आने वाले दुखों से शांति पाने के लिए यह शांतिविधान किया जाता है। यह विधान सर्व विघ्न का नाश करने वाला, आत्मशांति का दाता और भव्य जीवों को मुक्ति प्रदाता है। कार्यक्रम में जैन धर्मावलम्बियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मधुर भजनों की ध्वनि पर श्रद्धालुओं ने भक्ति-नृत्य किया। इसके पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया।

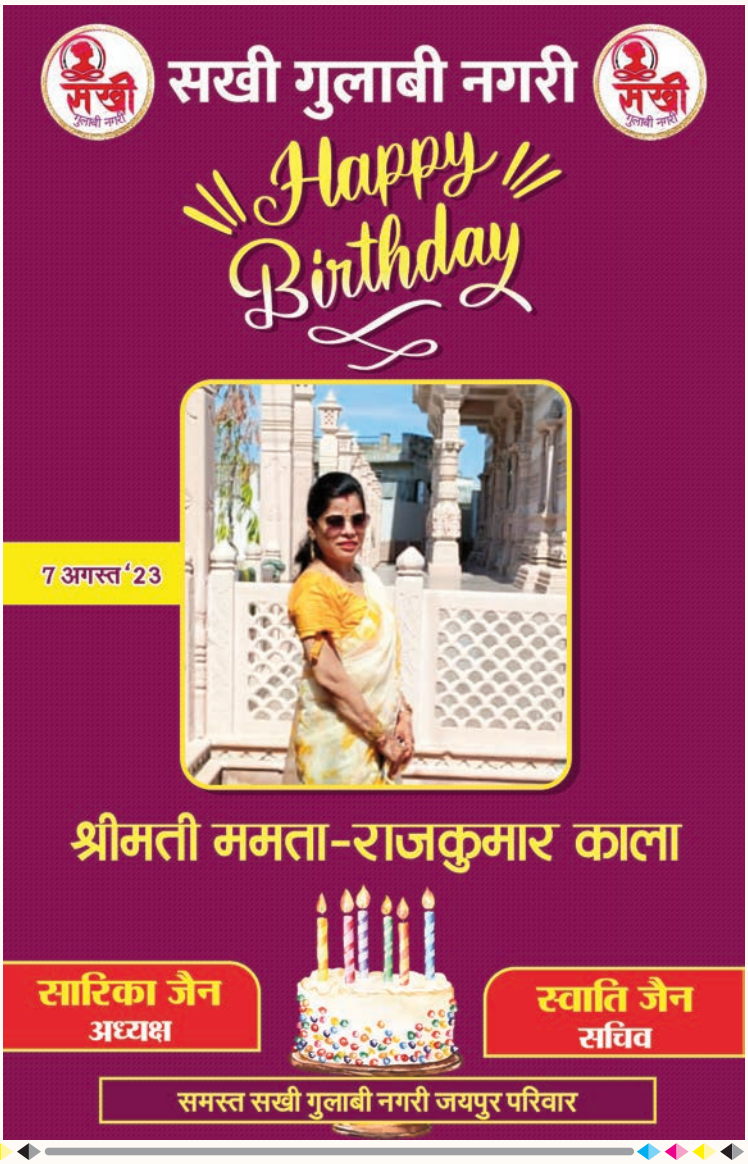

मुनि आर्यिका दर्शन यात्रा: श्रद्धालुओं ने लिया संतों का आशीर्वाद

जैन संतों के जयकारों की गूंज से गूंजे जिनालय

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ मानसरोवर संभाग द्वारा रविवार को प्रातः 6.30 बजे से ''मुनि आर्यिका दर्शन यात्रा'' भव्य आयोजन किया गया, इस यात्रा में सम्मिलित सभी श्रद्धालुओं ने जयपुर शहर के सभी चातुर्मास स्थलों पर विराजमान संतो और आर्यिका माताजी के दर्शन लाभ प्राप्त किए और जैन मंदिरों के दर्शन कर अष्ट द्रव्य चढ़ा मंगल कामनाएं की। इसमें 4 बसों में कुल 150 यात्रियों ने सम्मिलित होकर मुनि आर्यिका दर्शन यात्रा का सौभाग्य प्राप्त किया। यात्रा संयोजक सुदर्शन पाटनी और रवि जैन ने बताया की यात्रा प्रातः 6.30 बजे वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ हुई, जिसको संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद बाकलीवाल, संभाग अध्यक्ष कुलदीप छाबड़ा, पूर्व संभाग अध्यक्ष जयंत छाबड़ा, राकेश छाबड़ा, एडवोकेट शेलेंद्र छाबड़ा, अनंत जैन, शशांक जैन, अमित जैन, अशोक जैन और प्रचार मंत्री हर्षित गोधा सहित समाज श्रेष्ठियो ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसके पश्चात यात्रा मीरा मार्ग मानसरोवर ने चल रहे मुनि संघ के दर्शन करते हुए, बरकत नगर में आचार्य नवीन नंदी महाराज, जनकपुरी में विराजमान आर्यिका विशेषमती माताजी, आमेर में विराजमान उपाध्यक्ष उर्जयंत सागर महाराज के दर्शन करते हुए अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा पहुंचे जहां पर सभी श्रद्धालुओं ने आचार्य चैत्य सागर महाराज के दर्शन लाभ प्राप्त कर भगवान पदम प्रभु स्वामी की सामूहिक मंगल आरती की, इसके बाद यात्रा बिलवा में विराजमान आर्यिका नंगमती माताजी के दर्शन करते हुए श्योपुर रोड़ प्रताप नगर में विराजमान आचार्य विनीत सागर महाराज के दर्शन करते हुए प्रताप नगर सेक्टर 8 में विराजमान आचार्य सौरभ सागर महाराज के दर्शनों के लिए पहुंची, जहां आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया और आचार्य श्री के सानिध्य में शंका समाधान, आनंद यात्रा में सम्मिलित होकर श्रीजी की सामूहिक आरती कर आचार्य सौरभ सागर महाराज की महामंगल आरती कर यात्रा संपन्न की।

युवाओं के दर्शक ना बनकर मार्गदर्शक बनें, तभी धर्म की प्रभावना आगे बढ़ेगी: आचार्य सौरभ सागर

मुनि आर्यिका दर्शन यात्रा में आए श्रद्धालुओं सहित उपस्थित श्रावकों को अपने आशीर्वचन देते हुए आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा की - आज के दौर में सभी प्राणी केवल दर्शक बनकर रह गए है, जबकि उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए आगे आना चाहिए और युवाओं को धर्म से समाज से जोड़कर धर्म की प्रभावना में अपना योगदान देना चाहिए। बड़े - बुजुर्ग तो धर्म से जुड़े हुए है किंतु युवा वर्ग धर्म से विलुप्त होता जा रहा है, उसके लिए समाज के बड़े - बुजुर्गो को युवाओं में जिम्मेदारी का बोझ डालकर समाज से जोड़ना चाहिए और उनके मार्गदर्शक बनकर उन्हें सीखा - समझाकर धर्म से जोड़कर नवीन पीढ़ी की नींव स्थापित करनी चाहिए।

आचार्य सौरभ सागर के सानिध्य में 500 श्रद्धालुओं ने लिया योग शिविर में भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर सेक्टर 8 में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दो दिवसीय योग शिविर का समापन रविवार को हुआ, योग शिविर के दूसरे दिन 500 से अधिक श्रावकों ने योग शिविर में भाग लिया और जीवन को स्वस्थ और निरोगी बनाने के तंत्रो का अध्ययन किया। इस दौरान मुख्य व्यक्ता नरेंद्र जैन ने योग से संबंधित विशेष चर्चा बताई और योग के महत्व पर प्रकाश डाला, इसके अतिरिक्त योगाचार्य आलय महाराज, समाजसेवी आलोक जैन ने भी योग के महत्व पर संबोधन किया। अंत में आचार्य सौरभ सागर महाराज ने योग पर विशेष आशीर्वचन देते हुए कहा की - योग स्वस्थ और निरोगी जीवन जीने वह औषधि है, जिसका निर्माण केवल और केवल स्वयं प्राणी कर सकता है। योग को केवल समझने और सीखने की आवश्यकता है, जिसके लिए ना लैब की जरूरत होती है ना मशीनरी की जरूरत होती है केवल मन और संकल्प की आवश्यकता होती है। योग एकमात्र वह सरल

औषधि है जो ना केवल मन को स्थिर करने की शिक्षा देता है बल्कि मन को संतुलित भी करता है। इसलिए प्रत्येक प्राणी को अपने जीवन में योग को महत्व देना चाहिए और स्वस्थ और निरोगी जीवन का संकल्प लेना चाहिए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन

एक वर्ष में पांचवा पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर ने मोहन बाड़ी दिगंबर जैन मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाकर पर्यावरण रक्षण का आव्हान किया। विश्व जल, वायु, ध्वनि व मृदा प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रहा है। इसके निराकरण हेतु वृक्षारोपण ही एकमात्र सहज और सरल उपाय है । हमारे देश में भी वर्तमान में 1200 करोड़ वृक्ष और लगाने की आवश्यकता है । देश में प्रति व्यक्ति मात्र 28 पेड़ है जबकि प्रति व्यक्ति औसतन 37 वृक्षों की आवश्यकता है । इस समस्या से निपटने हेतु सभी व्यक्तियों का सहयोग आवश्यक है। उपस्थित सभी सहयोगियों ने समय समय पर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने हेतु अपनी भावना व्यक्त की। जैन बैंकर्स की ओर से अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा, मनोरमा जैन, आशीष बाकलीवाल, आशिका जैन, अधीश जैन, कार्याध्यक्ष पदम बिलाला, अशोक जैन, श्रीमती रश्मि जैन, विमल कुमार जैन, राजेंद्र पापड़ीवाल, कोषाध्यक्ष कमल चंद जैन ने वृक्षारोपण किया । इस कार्यक्रम में लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के बड़े बड़े पौधे - कचनार, बेलपत्र, गुलमोहर, अनार, चीकू, नीम, शहतूत, जामुन, करौंदा, नींबू आदि महावीर प्रसाद शर्मा, सेवानिवृत प्राध्यापक, श्रीमती निर्मला शर्मा एवं ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत श्रीमती प्रतिभा शर्मा, अनिता कॉलोनी द्वारा स्वयं के घर में विकसित कर उपलब्ध कराए गए । मोहन बाड़ी जैन मंदिर की कार्यकारिणी से राजेंद्र बिलाला, नरेंद्र जैन, राजीव पांड्या, सुभाष जैन, राज कुमार बज, दिनेश जैन, भागेश बिलाला, अजय गोधा, मनोज जैन, मनोज पाटनी आदि ने इस कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग दिया, वृक्षारोपण किया एवं पौधो की देखरेख हेतु आश्वस्त किया ।

भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथयात्रा पहुंचा अहिंसा नगरी

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथयात्रा का रविवार को मंगल प्रवेश अहिंसा नगरी में हुआ। इस उपलक्ष्य में सकल दिगंबर जैन समाज ने शहर के मुख्य मार्गों से बैंड बाजों के साथ रथयात्रा निकाली। संपूर्ण भारतवर्ष की जैन समाज में प्रभावना एवं जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि अयोध्या के विकास के लिए आर्यकारत्न 105 शिरोमणि गणनी ज्ञानमती माताजी के निर्देशन में भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या से तीर्थ प्रभावना रथ का प्रवर्तन हो रहा है। इसी क्रम में रविवार को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में धर्म सभा का आयोजन हुआ। इसके बाद में शोभा यात्रा शान्तिवीर नगर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर बैंड बाजे के साथ केसरिया ध्वज फहराते हुए जुलूस मुख्य बाजार, होती हुए जैन मंदिर पर पहुंचा। धर्म प्रभावना रथ का जगह-जगह स्वागत किया गया। जैन धर्मावलंबियों ने रथ में विराजमान जैन तीर्थंकरों की आरती उतारकर पूजन किया। आयोजन प्रबंधककमेटी के कोषाध्यक्ष विवेक काला एवं प्रबधक नेमिकुमार पाटनी विशेषाधिकारी विकाश पाटनी क्रांतिवीर नगर मंदिर के कमेटी मंत्री राजकुमार कोठारी सदस्य ताराचंद भोसा प्रबंधक संजय जैन भंडारी श्री महावीरजी सकल जैन समाज अध्यक्ष ज्ञानचंद कासलीवाल मंत्री संजय छाबड़ा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन संरक्षक महेश कासलीवाल मंत्री राज कुमार पांडे कोषाध्यक्ष संजय जैन सहित अन्य सकल जैन समाज के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे ।

पुण्य से मिला सुअवसर बारबार नहीं मिलता : आर्यिका विशेष मति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में रविवार को दर्शन हेतु जयपुर की विभिन्न कालोनियों से पधारे सैकडो भक्तों को आर्यिका विशेष मति माताजी ने अपने आशीर्वचन में कहा की पुण्य से मिले अच्छे समय को पहचानो तथा उसका सदुपयोग करो , सुखी बगिया तो सब चाहते हैं लेकिन पुण्य से जो अवसर मिला है उसको नहीं पहचानते तथा समय बिना आत्म कल्याण के यूँ ही गवाँ देते है । आर्यिका जी ने जीवन है पानी बूँद , तथा जीवन अच्छा नहीं लगता त्याग के बिना जैसे प्रचलित भजनों के माध्यम से जीवन के सत्य को समझाया । मन्दिर समिति महिला मण्डल व युवा मंच तथा उपस्थित गणमान्य जनो ने साधु सन्तों के दर्शन हेतु आये यात्रा दल के प्रतिनिधियों का स्वागत अभिनंदन किया तथा सभी का आभार व्यक्त किया ।

जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल जयपुर द्वारा स्थापना दिवस सेवा कार्य के साथ मनाया

श्री शंकर सेवा धाम में 400 बीमार लोगो को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल जयपुर के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार,6 अगस्त 2023 को ग्रुप के मानव सेवार्थ सामाजिक सेवा कार्य की श्रृंखला मे आगरा रोड स्थित श्री शंकर सेवा धाम परिसर मे निवास कर रहे करीब 400 आश्रयहीन असहाय, पीड़ित एवं सभी वृद्धजनो व निशक्तजनो हेतु दोपहर के भोजन के आयोजन के साथ महिलाओ,पुरुषों एवं बच्चों के परिधानों का वितरण भी ग्रुप सदस्यों द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि,जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल अपनी स्थापना के 24 वर्ष पूर्ण कर आगामी 08 अगस्त को रजत जयंती वर्ष मे प्रवेश कर रहा है।कार्यक्रम में रीजन चैयरमैन महेन्द्र सिंघवी एवं सचिव सिद्धार्थ जैन की गौरवमयी उपस्थिति रही। इस आयोजन मे संस्थापक अध्यक्ष सुभाष शकुंतला जैन, अध्यक्ष अनिल प्रेमा राँवका, पूर्व अध्यक्ष सुधीर गंगवाल, नवीन नलिनी जैन, ग्रुप सचिव प्रमोद सुनीता जैन, संयुक्त सचिव राज कुमार बड़जात्या,कार्यक्रम संयोजक लोकेश निधि पांड्या,कार्यकारिणी सदस्य राज कुमार संतोष काला, वीरेंद्र काला, विनोद सुधा जैन पूर्व उपाध्यक्ष सुनील मीना चौधरी, ग्रुप सदस्य राजेन्द्र आशा गोदिका, सुरेश शशी काला, श्रीमती आशा कासलीवाल ने सहभागिता निभाई । श्री शंकर सेवा धाम के संस्थापक प्रहलाद गुप्ता भी कार्यक्रम मे सभी के मध्य रहे और संस्था की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देकर सभी को लाभान्वित किया ! इस कार्यक्रम के भोजन पुण्यार्जक लोकेश निधि पांड्या थे।

महावीर भवन मानसरोवर में रक्तदान शिविर का आयोजन

महावीर भवन मानसरोवर में रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था मानसरोवर के तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनंद ऋषि जी म.सा की 123 वी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। यह विशाल रक्तदान शिविर परम पूज्या राजस्थान सिंहनी महाश्रमणी गुरुमाता महासती पुष्पवती (माताजी म.सा.), परम पूज्या उपप्रवर्तिनी मरुधरा शिरोमणि सद्गुरुवर्या महासती डॉ.राजमती म. सा. आदि ठाणा 7 की प्रेरणा से श्री संघ,महिला प्रकोष्ठ,युवा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में 6 अगस्त 2023 को प्रात 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक हुआ। शिविर में सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी और सांगानेर से काँग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने रक्तदाताओं को इस पुण्य कार्य में भाग लेने के लिए साधुवाद दिया ।इस विशाल रक्तदान शिविर में निशुल्क चिकित्सा जांच जैसे ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी इत्यादि अनुभवी डॉक्टर्स की टीम द्वारा की गयी।

इस रक्तदान शिविर की तैयारियां श्री संघ की देखरेख में पिछले एक माह से युवा प्रकोष्ठ एवं महिला मंडल द्वारा की जा रही थी और समस्त समाज बंधुओं द्वारा ज्यादा से ज्यादा इस रक्तदान शिविर में अपना योगदान देने का आह्वान किया गया ।इस विशाल रक्तदान शिविर के निवेदक श्री संघ अध्यक्ष राजेंद्र जैन (राजा) मंत्री प्रकाश चंद लोढ़ा, महिला मंडल अध्यक्ष सुजाता जैन, मंत्री संगीता लोढ़ा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष अभिषेक जैन, मंत्री डॉ. विनोद जैन एवं कार्यक्रम प्रभारी आकाश दूनीवाल ,पुनीत सिंघवी,नितिन आंचलिया थे ,शिविर में तकरीबन 500 युनिट से ज्यादा रक्त एकत्रित होने का लक्ष्य रखा गया